an>

Title: Need to take necessary steps to fight against global warming.

कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल (हमीरपुर): अध्यक्ष महोदया, मैं आपके माध्यम से एक गम्भीर विषय सदन के सामने रखना चाहता हूं। जब किसी व्यक्ति के शरीर का तापमान एक डिग्री या दो डिग्री बढ़ जाता है तो कहा जाता है कि इसकी तबीयत खराब है, किसी डॉक्टर को दिखाना चाहिए।

माननीय अध्यक्ष: सदन का तापमान भी बढ़ा हुआ है।

कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल : ठीक बात है इसलिए यहां भी आवश्यक है कि सदन का तापमान कम रहे।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: आप अपनी बात कहें।

कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल: पूरी दुनिया में ग्लबोल वार्मिंग के कारण धरती माता का तापमान बढ़ा है उस कारण फसल का उत्पादन कम हो रहा है। पूरी दुनिया में गम्भीर खाद्यान्न संकट उत्पन्न हो गया है। भारतीय दर्शन पर्यावरणीय संतुलन के लिए प्राचीन काल से संवेदनशील रहा है। लगभग तीन हजार वर्ष पूर्व प्राचीन यजुर्वेद में उल्लिखित शांति पाठ इसका द्योतक है। आज के समय ग्लोबल वार्मिंग के गम्भीर परिणाम सामने आ रहे हैं। जहां हाल ही में चेन्नई में बाढ़ आई, वहीं ग्लोबल वार्मिंग के कारण मेरे संसदीय क्षेत्र हमीरपुर, महोबा, तिनवारी और सम्पूर्ण बुंदेलखंड में पिछले दस सालों से लगातार सूखा पड़ रहा है। फसल चौपट है और किसान बदहाल है। वैश्विक तापमान में वृद्धि एक सत्यता है एवम् इसके कारणों की सही व्याख्या आज के समय की मांग है।

प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व वाली एन.डी.ए. सरकार के नेतृत्व में आई.आई.एफ.सी. बेंगलुरू इस पर काम कर रहा है। वह बधाई का पात्र है, जिसने पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन पर नवीन शोध शुरू किए हैं। ग्लोबल वार्मिंग सिर्फ मानवीय कारणों से नहीं, बल्कि प्राकृतिक कारणों से भी हो रही है। भारत जैसे विकासशील देशों पर अंतरराष्ट्रीय व्यापार पर अन्य देशों द्वारा कार्बन टैक्स लगाना न्यायोचित नहीं है। यह कुछ देशों का कूटनीतिक हथियार हो सकता है। परंतु भारत अब समर्थ है, सक्षम है, दबाव नहीं मानेगा।

अतः मैं आपके माध्यम से भारत सरकार से निवेदन करता हूं कि ग्लोबल वार्मिंग से होने वाले खतरे, कम कृषि उत्पादन, विशेषकर बुंदेलखंड में लगातार घटती उत्पादकता के कारण लोगों की आजीविका एवम् अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाले बुरे प्रभाव को कम करने के लिए उचित प्रयास किए जाएं। इसके साथ ही देश में ग्लोबल वार्मिंग से प्रभावित क्षेत्रों विशेषकर मेरे बुंदेलखंड इलाके में कम लागत वाले वैश्विक और ऊर्जा संसाधनों एवम् उद्योगों का उच्च प्राथमिकता के आधार पर विकास किया जाए।

माननीय अध्यक्ष : श्री भैरों प्रसाद मिश्र, श्री केशव प्रसाद मौर्य, श्री राघव लखनपाल, श्री देव जी एम. पटेल, श्री राहुल कस्वां को कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।